www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए
DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 13 | जौनपुर, बुधवार, 26 अगस्त 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रुपये

संक्षिप्त खबरें

मौसमी इन्फ्लुएंजा पर सरकार की कड़ी निगरानी, घबराने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में मौसमी इन्फ्लुएंजा के बढ़ते मामलों के बीच केंद्र सरकार स्थिति पर लगातार नजर रख रही है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के समन्वय से देशभर में इन्फ्लुएंजा और अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों की निगरानी की जा रही है। स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव और आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने कहा है कि मौजूदा स्थिति को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। देश में प्रसारित हो रहे वायरस हाल के वर्षों में देखे गए मौसमी पैटर्न के अनुरूप हैं और किसी नए या असामान्य स्ट्रेन के उभरने के संकेत नहीं मिले हैं। डॉ. बहल ने नई दिल्ली में मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि डीएचआर–आईसीएमआर की 73 वायरस अनुसंधान एवं नैदानिक प्रयोगशालाओं (वीआरडीएल) के नेटवर्क के जरिए की जा रही जीनोमिक और महामारी संबंधी निगरानी से भी यही स्थिति सामने आई है। भारत में प्रसारित हो रहे इन्फ्लुएंजा ए (एच1एन1) वायरस की इसके हेमाग्लुटिनिन (एचए) जीन के विश्लेषण से इसे क्लेड 6ठ.1 |.52 और सब–क्लेड क.3. 1.1 में रखा गया है। यह वंशावली वर्ष 2025 से भारत में लगातार प्रसारित हो रही है। डॉ. बहल ने बताया कि वायरस में देखे गए आनुवंशिक परिवर्तन मौसमी इन्फ्लुएंजा में होने वाले सामान्य 'एंटीजेनिक ड्रिफ्ट' के अनुरूप हैं। इन्फ्लुएंजा वायरस के प्रसार के दौरान इस तरह के छोटे आनुवंशिक बदलाव सामान्य रूप से होते रहते हैं और अपने आप में किसी नए या अधिक खतरनाक स्ट्रेन के उभरने का संकेत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैज्ञानिक और निगरानी संबंधी साक्ष्य एच1एन1 के व्यवहार में किसी असामान्य बदलाव या किसी नए इन्फ्लुएंजा खतरे की ओर इशारा नहीं करते। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, मौसमी इन्फ्लुएंजा, जिसमें एच1एन1 भी शामिल है।

रक्षाबंधन पर सीएम योगी का बड़ा ऐलान, शुरू की मातृ शक्ति यात्रा योजना

लखनऊ, (संवाददाता)। एक दिन पहले, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई थी। योगी कैबिनेट की बैठक में श्लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजनाश शुरू करने के फैसले को मंजूरी दी गई थी। यूपी सरकार ने अब इस योजना को लागू कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित एक कार्यक्रम में इस योजना की शुरुआत की। इस योजना को लॉन्च करते हुए सीएम योगी ने कहा कि आज हर योजना का मुख्य केंद्र श्बेटीश है। पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पहले बेटियाँ बस में चढ़ने से भी डरती थीं। इस मौके पर सीएम योगी ने रक्षाबंधन के लिए राज्य भर में सभी उम्र की महिलाओं के लिए तीन दिन की मुफ्त बस यात्रा की घोषणा भी की। उन्होंने इस योजना की शुरुआत के तौर पर से स्पेशल बसों को हरी झंडी दिखाई। गौरतलब है कि श्लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजनाश के तहत न्च में 60 साल या उससे ज्यादा उम्र की सभी महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा मिलेगी। इसका लाभ उठाने के लिए महिलाओं को अपना आधिकारिक पहचान पत्र (जैसे आधार या वोटर) दिखाना होगा। इस योजना पर हर महीने घ22.5 करोड़ का खर्च आने का अनुमान है। यूपी सरकार ने यह योजना ऐसे समय में शुरू की है जब रक्षाबंधन पास है और कुछ महीनों बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। रक्षाबंधन के मौके पर महिलाओं को यूपी रोडवेज की बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलती है, जिसका फायदा हर उम्र की महिलाओं को होता है। अब रक्षाबंधन पर, 60 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं को यूपी रोडवेज की बसों में साल भर मुफ्त यात्रा का तोहफा मिल रहा है। अनुमान के मुताबिक, हर दिन 60 साल या उससे ज्यादा उम्र की 88,000 से ज्यादा महिलाएँ रोडवेज बसों में सफर करती हैं।

राष्ट्रपति की मंजूरी और संसद की स्वीकृति के बाद बदला दक्षिण भारत के इस राज्य का नाम

केरल, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक राजपत्र अधिसूचना जारी कर श्केरल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2026श को 25 अगस्त 2026 से पूरे देश में लागू कर दिया है। इस ऐतिहासिक कदम के साथ ही दक्षिण भारतीय राज्य श्केरलश का नाम बदलकर आधिकारिक रूप से श्केरलमश हो गया है। गृह मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, केंद्र सरकार ने कानून के प्रावधानों को प्रभावी बनाने के लिए 25 अगस्त 2026 की तिथि तय की है। इससे पूर्व, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को अपनी स्वीकृति प्रदान की थी, जिसके बाद इसने अधिनियम का रूप लिया। संसद के चालू सत्र के दौरान लोकसभा ने 11 अगस्त को तथा राज्यसभा ने 12 अगस्त को इस विधेयक को सर्वसम्मति से पारित किया था। केरल का आधिकारिक नाम अब 'केरलम' हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर केरल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2026 को 25 अगस्त 2026 से लागू करने की घोषणा की है। इसके साथ ही राज्य के नाम को आधिकारिक रूप से 'केरल' से बदलकर 'केरलम' कर दिया गया है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना में कहा गया है कि अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत केंद्र सरकार ने 25 अगस्त 2026 को कानून के प्रावधान लागू होने की तिथि निर्धारित किया है। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दी थी, जिसके बाद यह कानून बन गया। लोकसभा ने 11 अगस्त को और राज्यसभा ने 12 अगस्त को विधेयक को पारित किया था।

सेमीकंडक्टर और एआई पर भारत–जापान सहयोग बढ़ाने पर जोर, पीयूष गोयल ने की उद्योग जगत से चर्चा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को टोक्यो में सेमीकंडक्टर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आयोजित भारत–जापान उद्योग गोलमेज बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने भारत और जापान के बीच आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग को मजबूत करने में इन उभरते क्षेत्रों के बढ़ते महत्व पर जोर दिया। गोयल ने जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं उद्योग मंत्री अकाजावा रयोसेई के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की, जिसमें दोनों मंत्री व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) की समीक्षा में तेजी लाने पर सहमत हुए। गोयल ने कहा कि सेमीकंडक्टर और एआई भारत–जापान सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में उभर रहे हैं। ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची द्वारा वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान परिकल्पित आर्थिक सुरक्षा साझेदारी के अहम स्तंभ हैं। उन्होंने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को भरोसा दिलाया कि इन रणनीतिक क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग को गहरा और व्यापक बनाने में भारत सरकार का पूरा समर्थन मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र में तेजी से बढ़ते अवसरों को रेखांकित किया। अनुमान के मुताबिक, 2032 तक देश में सेमीकंडक्टर की मांग 150 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकती है।

खेल से विकसित भारत तक, 27 अगस्त को युवाओं से रूबरू होंगे प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 अगस्त को सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'खेलो इंडिया डायलॉग' को संबोधित करेंगे। राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के तहत 'मेरा युवा भारत' (डल भारत) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रत्येक जिले से दो–दो कॉलेजों के युवा हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को भारत की खेल यात्रा से जोड़ना, उनकी आकांक्षाओं को समझना और युवा नेतृत्व के जरिए विकसित भारत के निर्माण में उनके विचारों को शामिल करना है। राष्ट्रव्यापी 'खेलो इंडिया डायलॉग' में खेल, युवा नेतृत्व, नागरिक कर्तव्य, स्वयंसेवा, फिटनेस और राष्ट्र निर्माण को एक साझा मंच पर लाया जाएगा। यह पहल प्रधानमंत्री के उस दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसमें युवाओं की आकांक्षाओं को राष्ट्रीय विकास के केंद्र में रखते हुए एक फिट, अनुशासित और खेल–समर्पित राष्ट्र के निर्माण पर जोर दिया गया है। राष्ट्रीय कार्यक्रम के बाद स्थानीय स्तर पर भी संवाद आयोजित किए जाएंगे। इनमें युवा प्रतिभागियों, डल भारत के स्वयंसेवकों, स्थानीय खिलाड़ियों और जन प्रतिनिधियों की भागीदारी होगी। पहल की प्रमुख विशेषता खेलों में रुचि रखने वाले युवाओं और भारत के प्रमुख एथलीटों एवं पदक विजेताओं के बीच सीधा संवाद होगा। कार्यक्रम का मुख्य केंद्र 'युवा संवाद' होगा। इसमें युवा प्रतिभागियों को अपने विचार, दृष्टिकोण और आकांक्षाएं साझा करने का अवसर मिलेगा। संवाद के लिए पांच प्रमुख थीम तय की गई हैं। खेल, ओलंपिक आकांक्षाएं, युवा नेतृत्व, विकसित भारत और नशामुक्त युवा। पहली थीम के तहत बेहतर सुविधाओं, कोचिंग, खेल विज्ञान और समावेशी भागीदारी के जरिए भारत के खेल इकोसिस्टम में सुधार पर चर्चा होगी। इसका उद्देश्य युवाओं को खेलों में बेहतर अवसर और सुविधाएं उपलब्ध कराने के उपायों पर विचार करना है।

मिशन समृद्ध गाँव' का शुभारंभ, गरीबी-मुक्त और रोजगार युक्त गांवों के मॉडल पर जोर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को नई दिल्ली में 'मिशन समृद्ध गाँव' योजना का शुभारंभ किया। मिशन के तहत गरीबी–मुक्त, रोजगारयुक्त और बुनियादी सुविधाओं से संपन्न गांवों के निर्माण के लिए समग्र एवं एकीकृत मॉडल विकसित किया जाएगा। मध्य प्रदेश के चयनित ब्लॉकों में पायलट मॉडल तैयार कर इसे सफल होने पर देश के अन्य हिस्सों में दोहराने की योजना है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मिशन का उद्देश्य ऐसे मॉडल गांव विकसित करना है, जहां हर परिवार के पास रोजगार या आजीविका का अवसर हो, बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हों और लोगों को मजबूरी में पलायन न करना पड़े। इसके तहत परिवार से लेकर ग्राम पंचायत और ब्लॉक स्तर तक समेकित विकास की रूपरेखा तैयार की जाएगी। प्रत्येक परिवार की जरूरत और पात्रता के आधार पर उसे केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जाएगा। मिशन के तहत मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के बुदनी और देवास जिले के खातेगांव ब्लॉक में पायलट मॉडल विकसित किए जाएंगे। इन क्षेत्रों में विभिन्न सरकारी योजनाओं के अभिसरण के जरिए गरीबी उन्मूलन, रोजगार सृजन और समग्र ग्राम विकास को व्यवहार में उतारा जाएगा। सफल मॉडल को बाद में अन्य क्षेत्रों में दोहराने का लक्ष्य है। चौहान ने कहा कि मिशन केवल कृषि एवं ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं तक सीमित नहीं रहेगा। इसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, आजीविका और अन्य बुनियादी सुविधाओं को भी शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास के लिए एक

दिल्ली में लक्ष्मी योजना की शुरुआत, पात्र महिलाओं को हर महीने मिलेंगे 2,500 रुपए

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली लक्ष्मी योजना के तहत करीब 2,500 महिलाओं को स्वीकृति पत्र प्रदान किए। योजना के तहत पात्र महिलाओं को एक सितंबर से हर महीने 2,500 रुपए की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाएगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार की सभी योजनाओं और कार्यक्रमों में महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाएं देवी लक्ष्मी के समान हैं, जो परिवार और समाज को मजबूत करती हैं। कार्यक्रम में दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा और दिल्ली सरकार के मंत्री मौजूद रहे। सरकार के मुताबिक, लक्ष्मी योजना के तहत करीब 9,13,495 लाभार्थियों का पंजीकरण किया गया है। इनमें से 6,52,223 महिलाओं ने पूर्ण आवेदन जमा किए हैं। एक सितंबर से पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में हर महीने सीधे 2,500 रुपए की राशि भेजी जाएगी। सरकार ने कहा कि आर्थिक सहायता का उद्देश्य महिलाओं की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में मदद करना और उन्हें अधिक वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना है। योजना के तहत सहायता राशि के इस्तेमाल के लिए अलग–अलग विकल्प भी दिए गए हैं।

सर्किट हाउस में परिवहन विभाग ने रक्षाबंधन कार्यक्रम का किया आयोजन, महिलाओं ने भाजपा नेताओं को बांधी राखी

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। बुधवार को सर्किट हाउस में परिवहन विभाग ने रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया।कार्यक्रम में महिलाओं ने भाजपा नेताओं को राखी बांधी। महिलाओं ने भाजपा नेताओं को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।राखी बांधने के साथ महिलाओं ने नेताओं के माथे पर तिलक भी किया। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर महिलाओं के लिए निःशुल्क बस यात्रा एवं लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा का शुभारम्भ किया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा रक्षाबंधन के पावन अवसर पर प्रदेश की समस्त माताओं, बहनों और बेटियों को एक अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिकउपहार प्रदान किया जा रहा है। परिवहन विभाग उ०प्र० शासन के अन्तर्गत मातृशक्ति को सम्मान के तहत लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना का भव्य शुभारम्भ किया गया है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार अयोध्या क्षेत्र में यह कार्यक्रम सर्किट हाउस अयोध्या में सम्पन्न हुआ। निःशुल्क बस यात्रा की अवधि उ०प्र० राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में सभी माताओं, बहनों एवं बेटियों को सहयात्री सहित निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा 27 अगस्त 2026 को प्रातः 06 बजे से 29 अगस्त 2026 की मध्य रात्रि तक पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की जायेगी।उ०प्र० की 60 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की महिलाओं को निःशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान करने वाली लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना के अन्तर्गत विशेष बसो को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया है। इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य शुभारम्भ कार्यक्रम को आज लखनऊ में उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के कर कमलों द्वारा गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धक कार्यालय अयोध्या ने बताया है कि अयोध्या के अन्तर्गत आने वाले सभी सम्मानित यात्रियों एवं नागरिकों से अनुरोध है कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठायें।यात्रा सम्बन्धी किसी भी प्रकार की सहायता या असुविधा की स्थिति में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नम्बर 1076 पर सम्पर्क किया जा सकता है। अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता,रुदौली विधायक रामचंद्र यादव,अयोध्या के महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी,भाजपा नेता व जिला पंचायत प्रतिनिधि रोहित सिंह,भाजपा महानगर अध्यक्ष, कमलेश श्रीवास्तव और जिला अध्यक्ष राधेश्याम त्यागी, सीडीओ केके सिंह,आरएम रोडवेज,एआरएम रोडवेज अयोध्या, सहित भाजपा पदाधिकारी, रोडवेज कर्मी अन्य लोग मौजूद रहे।

माँ के साथ बाइक से जा रहे युवक पर बम से हमला, 8 राउंड फायरिंग में युवक की मौत

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या।थाना पूरा कलंदर क्षेत्र में आठ माह बाद हुए हत्या की बदला लेने के लिए युवक कि मंगलवार शाम गोली मारकर हत्या कर दी गई।जिसके चलते आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया और एडीजी लखनऊ जोन प्रवीण कुमार ने एस एसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर व अन्य पुलिस विभाग के आलाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन में जुट गए। बताया जा रहा है कि यह घटना पिछले 8 महीने पहले हुई हत्या का बदला लेने के लिए युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई।मंगलवार शाम करीब 6 बजे मां के साथ बाइक से जा रहे युवक राम लगन मौर्या पर पहले बम फेंका गया।इसमें मां–बेटे घायल होकर जमीन पर गिर गए। इसके बाद युवक पर 8 राउंड फायर किए गए।मृतक की पहचान कंदैला गांव के राम लगन मौर्य (40) के रूप में हुई। वारदात में उनकी मां पार्वती देवी (60) भी घायल हुई हैं।घटना पूराकलंदर थाना क्षेत्र की है।राम लगन के भाई सुधाकर मौर्य ने बताया– हमले में राजसिंह के अलावा फूलचंद, राम लखन मौर्य समेत 7 से 8 लोग शामिल थे। उन लोगों ने 7–8 राउंड फायरिंग की और 2 से 3 बम फेंके। हमले में मेरे भाई की मौत हो गई और मां घायल हो गईं।करीब 8 महीने पहले आबादी की जमीन और रास्ते को लेकर झगड़ा हुआ था। उस दौरान लाठी–डंडों से हुई मारपीट में राजसिंह के रिश्तेदार सूर्यभान सिंह की मौत हो गई थी। जबकि हमारे पक्ष के 3 लोग घायल हुए थे। इस मामले में मुकदमा भी दर्ज हुआ था।इसके बाद से दोनों पक्षों के बीच रंजिश चली आ रही थी।सुधाकर ने बताया– तीन महीने पहले भी राजसिंह पक्ष से गाली–गलौज और मारपीट हुई थी। इसके बाद मंगलवार को हमला किया गया। घटना के समय मैं घर के सामने ही खड़ा था। घर में सीसीटीवी लगा है। उन्होंने दावा किया कि कैमरे में घटना से जुड़ी फायरिंग और बम की आवाज रिकॉर्ड हुई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों की जांच कर रही है।घटना की सूचना पाते ही एडीजी प्रवीण कुमार ने डीआईजी सोमेन बर्मा, एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर तथा अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और घटना के संबंध में जानकारी लेकर एसपी को इस घटना का खुलासा करने और इसमें शामिल आरोपियों को शीघ्र से शीघ्र गिरफ्तार करने के निर्देश दिया।इस मौके पर एडीजी प्रवीण कुमार ने पीड़ित के परिजनों से मिलकर कहा इस कठिन घड़ी में पुलिस आपके साथ है और इसमें शामिल जो भी आरोपी हैं वह शीघ्र ही गिरफ्तार होंगे।उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।एडीजी लखनऊ के पहुंचते ही पूराकलंदर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।वह घटना में शामिल अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एडीजी ने एसएसपी अयोध्या को तत्काल निर्देश दिए।उन्होंने एसएसपी से कहा कि पुलिस की टीमें गठित कर फरार आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए।एडीजी प्रवीण कुमार ने मुकदमे की प्रभावी पैरवी करते हुए मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने के निर्देश भी दिए,ताकि दोषियों को जल्द सजा दिलाई जा सके।घर में सीसीटीवी लगा है।उन्होंने दावा किया कि कैमरे में घटना से जुड़ी फायरिंग और बम की आवाज रिकॉर्ड हुई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों की जांच कर रही है।

संपादकीय

यूजर्स पर अनावश्यक बोझ

मोदी सरकार उचित ही यूपीआई की सफलता को अपनी एक बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश करती आई है। अब यह समझना कठिन है कि अपनी इस कामयाबी को पलटने का रास्ता वह क्यों तैयार कर रही है? केंद्र ने संसद से वह विधेयक पारित करवा लिया है, जिसके बाद बैंकों को यूपीआई पेमेंट पर फीस लगाने का अधिकार देने का रास्ता खुल गया है। यह आपत्तिजनक पहल है। नरेंद्र मोदी सरकार उचित ही यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस की सफलता को अपनी एक बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश करती आई है। मोदी सरकार रुपे कार्ड की शुरुआत कर स्वदेशी भुगतान की एक और महत्त्वपूर्ण पहल करने में सफल रही थी। अब यह समझना कठिन है कि अपनी बड़ी कामयाबी को पलटने का रास्ता वह क्यों तैयार कर रही है? सरकार ने खुद कहा है कि बड़े लेनदेन कारोबारियों से बैंकों को भुगतान फीस वसूलने का अधिकार दिया जा सकता है। सरकार का दावा है कि इससे महज पांच प्रतिशत यूजर प्रभावित होंगे। यानी आम भुगतानकर्ताओं पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मगर, व्यवहार में इसे सुनिश्चित करना शायद संभव नहीं होगा। वेंडर्स यूजर्स पर उन शुल्कों को ट्रांसफर ना करें, इसकी गारंटी करना बेहद कठिन साबित होगा। नतीजतन, फीस का चलन लागू होने के बाद व्यवहार में असल में यह होगा कि लोग नकदी लेनदेन या क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने की दिशा में लौटेंगे। यह सरकार की घोषित प्राथमिकताओं के खिलाफ होगा। वैसे भी, जब सरकार यह सिस्टम चलाने के लिए हर साल डेढ़ से दो हजार करोड़ रुपये की सब्सिडी बैंकों को दे रही है, तो फिर बैंकों को फीस लेने की आजादी देने का क्या तर्क हो सकता है? ऐसे प्रश्नों का सटीक उत्तर मौजूद ना होने के कारण ही इस संदेह को हवा मिली है कि इस फैसले के पीछे अमेरिकी दबाव की भूमिका है। यूपीआई और रुपे कार्ड के चलन में आने से अमेरिकी कंपनियों– मास्टरकार्ड, वीजा, अमेरिकन एक्सप्रेस आदि के भारत में मौजूद बाजार पर प्रतिकूल असर पड़ा। अब कहा जा रहा है कि उन कंपनियों के हित में भारत पर अमेरिका के ट्रंप प्रशासन का परोक्ष दबाव पड़ा है। मुमकिन है कि ऐसी बातों में कोई दम ना हो। मगर खुद मोदी सरकार ने भारतीय कारोबारियों और यूजर्स पर अनावश्यक बोझ डालने की तैयारी कर ऐसी चर्चाओं की जमीन तैयार की है।

एक जगह अगर जमा होंगे तीनों- मोदी-जिनपिंग और पुतिन

अभिनय

हम भी दरिया हैं हमें अपना हुनूर मालूम है, जिस तरफ भी चल पड़ेंगे रास्ता हो जाएगा। भारत की तरफ से अमेरिका को पैगाम साफ साफ दिया जा रहा है। सवाल है कि अमेरिका बार बार अमेरिका के हुनर का इम्तिहान क्यों ले रहा है? इम्तिहान कुछ ऐसा कि जो जवाब मिलेगा वो पचा नहीं पाएंगे।डोनाल्ड ट्रंप अब भारत पर टैरिफ लगा रहे हैं। रूस से तेल क्यों लेते हो ये कहकर आंखें दिखा रहे हैं। नैतिकता का पाठ पढ़ा रहे हैं। एक बार चाणक्य ने विदेशी संबंधों को लेकर कहा था कि किसी भी देश को ऐसी मित्रता या गठबंधन तुरंत समाप्त कर देना चाहिए। जिससे भविष्य में उसे नुकसान हो। अमेरिका से भारत की मित्रता या गठबंधन खत्म तो नहीं हो सकता। लेकिन अमेरिका को भारत ने कुछ चीजें स्पष्ट कर दी है। सबसे पहले तो हमारे लिए हमारा राष्ट्रहित सर्वोपरि है और भारत किसी भी दबाव के आगे झुकने वाला देश नहीं है। अगले महीने नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स (ठत्प्ब्े) शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन समेत दुनिया के कई बड़े नेता शामिल हो सकते हैं। भारत 5 साल बाद इस सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब मिडिल ईस्ट (पश्चिम एशिया) और यूरोप में युद्ध के कारण दुनिया भर में तनाव का माहौल है। ब्रिक्स संगठन अब एशिया, अफ्रीका, मिडिल ईस्ट और लैटिन अमेरिका तक फैल चुका है, और इस सम्मेलन में समूह के कई देशों के शीर्ष नेताओं के जुटने की उम्मीद है। घरेलू व्यस्तताओं के कारण राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा के शामिल होने की उम्मीद नहीं हैय उनकी जगह विदेश मंत्री मौरो विएरा देश का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की जगह अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के आने की संभावना है। कागज पर तो एजेंडा व्यापार, विकास के लिए फंडिंग और ग्लोबल संस्थाओं में सुधार पर केंद्रित है, लेकिन बंद दरवाजों के पीछे होने वाली बैठकों में मिडिल ईस्ट के टकराव और ईरान व न|म के बीच मतभेदों का मुद्दा हावी रहने की संभावना है। उम्मीद है कि ईरान समिट के घोषणा–पत्र में हालिया टकराव, हमलों और प्रतिबंधों पर अपना पक्ष रखने के लिए जोर देगा, जिससे बातचीत काफी मुश्किल हो सकती है। ब्रिक्स आम सहमति के आधार पर काम करता है, जिसका मतलब है कि कोई एक प्रतिनिधिमंडल भी किसी विवादित पैराग्राफ पर सहमति को रोक सकता है। पश्चिम एशिया से जुड़े शब्दों को लेकर ही दबाव है। हर किसी की अपनी रेड लाइन हैं। व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग की मौजूदगी भारत की कूटनीतिक संतुलन बनाने की कोशिशों में एक नया पहलू जोड़ेगी। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने अधिकारियों के हवाले से बताया है कि शी के साथ लगभग 400 अधिकारियों का एक बड़ा दल शिखर सम्मेलन में शामिल हो सकता है। यह सात वर्षों में उनकी पहली यात्रा होगी और दोनों प्रतिद्वंद्वियों के बीच रिश्तों में सुधार का एक नया संकेत होगा। चीनी नेता की मौजूदगी पर ठत्प्ब्े के एजेंडे से ज़्यादा इस बात पर नजर रहेगी कि यह 2020 में सीमा पर हुई घातक झड़पों के बाद बीजिंग और नई दिल्ली के रिश्तों को स्थिर करने की कोशिशों के बारे में क्या संकेत देता है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी एक क्षेत्रीय मंच पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकघत करना चाहते हैं और साथ ही दोनों देशों के बीच व्यापार सहयोग बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। क्रेमलिन में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ हुई बैठक में, पुतिन ने पिछले साल आई गिरावट के बाद रूस और भारत के बीच

व्यापार में हुई रिकवरी का जिक्र किया। इसके बाद उन्होंने विदेश मंत्री से प्रधानमंत्री तक अपनी शुभकामनाएँ पहुँचाने को कहा। पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद, भारत रूस के साथ रक्षा और ऊर्जा के क्षेत्र में करीबी संबंध बनाए हुए है। वहीं, श्लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोलश पर सालों तक चले सैन्य तनाव के बाद चीन के साथ रिश्ते बेहतर हुए हैं, हालांकि दोनों देशों के बीच रणनीतिक प्रतिद्वंद्विता अभी भी बनी हुई है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप के बयानों ने भारत को ठेस पहुंचाई है और इससे भारत को अपनी रणनीति पर दोबारा सोचने पर मजबूर कर सकता है। अगर ऐसा होता है, तो इसका मतलब भारत की विदेश नीति में बड़ा बदलाव होगा। पूर्व विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर ने एक बार कहा था–अमेरिका से दुश्मनी भारी होती है और दोस्ती जानलेवा। भारत के लिए चीन से संबंधों में सुधार अच्छा कदम है। विश्व के मानचित्र पर एक नजर डालें तो पता चल जाएगा कि रूस, चीन और भारत कितने बड़े देश हैं। ये अगर एक साथ हों, तो एक नए विश्व की संरचना संभव है। ज्यादातर विदेश नीति जानकार मानते हैं कि भारत–अमेरिका के रिश्ते सिर्फ ट्रंप के कार्यकाल तक सीमित नहीं हैं। ये रिश्ते सालों में बने हैं और दोनों देशों के बीच गहरी रणनीतिक साझेदारी है। चीन के साथ अच्छे संबंध ठीक हैं, लेकिन चीन भारत का मुख्य रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी बना रहेगा। हालांकि ट्रम्प की टैरिफ नीति और भारत, रूस, और चीन के संभावित गठजोड़ का वैश्विक शक्ति संतुलन पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। यदि यह गठजोड़ सफल होता है, तो यह वैश्विक व्यापार और भू–राजनीति में अमेरिका के एकध्रुवीय वर्चस्व को चुनौती दे सकता है। ब्रिक्स और एससीओ जैसे मंच इस गठजोड़ को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भारत के लिए यह एक अवसर है कि वह वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति को मजबूत करे।

सिद्धांत सरकार, संगठन में चलता है

अजीत द्विवेदी

नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने के बाद 209 दिन तक चले मंथन से भाजपा का संगठन चलाने के लिए जो श्रत्नय चुने गए हैं उनको देख कर कतई हैरानी नहीं हुई। अगर भाजपा संगठन में ऐसे पदाधिकारी नहीं चुने जाते या टीम ऐसी ही नहीं बनती तो हैरानी होती। ध्यान रहे जब कोई पार्टी सरकार में होती है तो उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष या संगठन का कोई खास महत्व नहीं रह जाता है। फिर भी भाजपा चूंकि संगठन वाली पार्टी मानी जाती है इसलिए एक कवायद दिखाई जाती है। उस कवायद से जो टीम बनी है वह बिल्कुल वैसी ही है, जैसी टीम पिछले एक दशक से सरकार और संगठन में बनाई जा रही है। दोनों जगह किसी अन्य चेहरे की जरुरत नहीं है। सरकार में नरेंद्र मोदी और संगठन में अमित शाह का ही मतलब है। बाकी सबको दिए गए निर्देशों का पालन करना होता है। यह नई टीम भी इसी सिद्धांत को व्यवहार रूप में प्रतीकित कर रही है। ध्यान रहे पिछले एक दशक से ज्यादा समय से भाजपा में यह सिद्धांत अपना लिया गया है कि अगर कोई नेता अपने दम पर या अपनी काबिलियत के दम पर बड़ा बना है, अपना नाम बनाया है, राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है, राष्ट्रीय दृष्टि रखता है तो उसको हाशिए में डालना है। इसके एकाध अपवाद हो सकते हैं। लेकिन यही सिद्धांत सरकार में चलता है, संगठन में चलता है और यहां तक कि चुनाव लड़ने में भी इसे ही लागू किया जाता है। बिल्कुल अनजान चेहरों को चुन कर आगे किया जाता है। लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़ाया जाता है या राज्यसभा और विधान परिषद में भेजा जाता है। इनमें से ज्यादातर लोग विधायी कामकाज में क्या योगदान करते हैं यह बता पाना उनके खुद के लिए भी मुश्किल ही होगा। राजनीति के रंगमंच पर अपनी संक्षिप्त भूमिका निभा कर थोड़े समय के बाद ये चेहरे नेपथ्य में चले जाते हैं। फिर उनके बारे में किसी को पता नहीं चलता। लेकिन शुरुआत में जब इन्हें लाया जाता है तो प्रचार यह होता है कि बिल्कुल जमीनी स्तर से नेता खोजा गया है। असल में ऐसे नेताओं की कोई जमीन नहीं होती है। इसलिए वे बाद में जमीन पर दिखाई नहीं देते हैं। इस बार भी ऐसे दर्जनों श्जमीनी नेताय पार्टी के पदाधिकारी बनाए गए हैं। हालांकि इनमें से ज्यादातर की कोई खास भूमिका नहीं रहेगी और थोड़े समय के बाद ये लोग कहां चले जाएंगे, वह किसी को पता नहीं चलेगा। कुछ चुनिंदा लोग, जो पहले से संगठन का काम कर रहे हैं या कुछ ऐसे लोग, जिनको वापस संगठन में लाया गया है, वे ही काम करेंगे और जब चुनाव आएंगे तो संगठन के पदाधिकारियों से अलग के कुछ अन्य लोग चुनावी कामकाज में लगाए जाएंगे। वो चेहरे अलग होते हैं। सो, श्जमीनी नेताय के नाम पर जो लोग संगठन में लाए गए हैं उनकी बात छोड़ दें तो कह सकते हैं कि यह एक कंजरवेटिव बदलाव है। कोई बड़ा प्रयोग करने से बचा गया है। महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने या श्जेन जीय को महत्व देने के दबाव को दरकिनार किया गया है। भरोसे के कुछ चेहरों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया गया है, जहां से वे शीर्ष नेताओं के साथ मिल कर संगठन के लिए काम करेंगे। वर्षों तक संगठन में काम कर चुके राम माधव को वापस लाया गया है। ऐसे ही स्मृति ईरानी की वापसी हुई है। उपाध्यक्ष बना कर किनारे किए गए सौदान सिंह फिर से संयुक्त संगठन महामंत्री के तौर पर लाए गए हैं। बीएल संतोष और शिव प्रकाश की संगठन की जिम्मेदारी पहले जैसी ही रखी गई है। पिछले कई वर्षों से संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे विनोद तावड़े और सुनील बंसल को महामंत्री बनाए रखा गया है। तरुण चुघ महामंत्री पद से हटा दिए गए हैं लेकिन उनको पार्टी मुख्यालय का प्रभारी बना कर मुख्यधारा में रखा गया है। भाजपा ने नई टीम में क्षेत्रीय संतुलन बनाने का प्रयास किया है लेकिन स्पष्ट रूप से पलड़ा चुनावी राज्यों के पक्ष में झुका हुआ दिखाई दे रहा है। चार चुनावी राज्यों से 18 पदाधिकारी बनाए गए हैं। कुल 65 पदाधिकारियों में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और गुजरात से 18 पदाधिकारी हैं। महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने का दिखावा किया गया है फिर भी उनकी हिस्सेदारी 18 फीसदी तक ही पहुंच सकी है। कुल 12 महिलाओं को टीम में रखा गया है, जिनमें से छह उपाध्यक्ष हैं। आमतौर पर उपाध्यक्षों के पास कोई काम नहीं होता है। संगठन महामंत्री, संयुक्त संगठन महामंत्री और महामंत्रियों के 11 पदों में से सिर्फ एक पद महिला को मिला है। स्मृति ईरानी महामंत्री बनाई गई हैं। सोचें, 11 में एक यानी आधी आबादी को नौ फीसदी प्रतिनिधित्व! संगठन में सबसे युवा चेहरा हेमांग जोशी का है, जो 35 साल के हैं।

नितिन नबीन की नई टीम बनने के बाद जितनी चर्चा इसमें शामिल किए गए चेहरों की है उससे ज्यादा चर्चा हटा दिए गए पदाधिकारियों की है। दीपक म्हस्के कैसे सोशल मीडिया के प्रभारी बने या कैसा काम करेंगे इस सवाल से ज्यादा चर्चा इसकी है कि अमित मालवीय क्यों हटा दिए गए? हेमांग जोशी भारतीय जनता युवा मोर्चा में कैसा काम करेंगे ।

बांग्लादेश मक्का समझौते में शामिल होगा

असद

यूएई–इजरायल धुरी से आगे बढ़कर खाड़ी साझेदारों के साथ गहरी सुरक्षा जुड़ाव, चुनावों के अपने आप सब कुछ सुलझाने का इंतजार करने के बजाय ढाका की अंतरिम सरकार तक निरंतर पहुंच, और तुर्की की महत्वाकांक्षाओं को जाने–पहचाने

पाकिस्तान वाले खांचे में समेटने के बजाय उनका स्पष्ट आकलन। यह क्षेत्र दिल्ली के आगे बढ़ने का इंतजार नहीं कर रहा, और, ऐसा लगता है, बांग्लादेश भी नहीं। भौगोलिक संदर्भ बंग्लादेश का कहना है कि वह सऊदी–तुर्की–पाकिस्तान रक्षा समझौते में शामिल होने के लिए श्खुलाश है। यह शब्द चयन बहुत कुछ कह जाता है। यह हस्ताक्षर नहीं है, लेकिन कुछ भी नहीं भी नहीं है– और भारत के लिए, यह दो वर्षों से चल रहे एक बदलाव की पुष्टि करता है। कूटनीति में शब्दों का महत्व होता है, और बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने अपने शब्द सोच–समझकर चुने। यह पूछे जाने पर कि क्या ढाका मक्का संयुक्त रक्षा समझौते– जो समझौता सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान ने 7 अगस्त को हस्ताक्षरित किया– में शामिल होगा, कबीर ने श्नहींश नहीं कहा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश श्अपने हितों को ध्यान में रखते हुएश इस विकल्प पर विचार करेगा। यह उस देश की भाषा है जो दरवाजा अधखुला रख रहा है, बंद नहीं कर रहा।समझौता अपने आप में स्पष्ट है। सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान ने प्रतिबद्धता जताई है कि एक पर हमला सभी पर हमला माना जाएगा – यह एक तरह का श्आर्टिकल 5श जैसा प्रावधान है, जो पिछले सितंबर हस्ताक्षरित सऊदी–पाकिस्तान रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते पर आधारित है। मिस्र इस विचार पर बिना प्रतिबद्ध हुए बहस कर रहा है, क्योंकि उसे ग्रीस और साइप्रस के साथ अपनी उलझनों की चिंता है। बांग्लादेश अब सार्वजनिक रूप से रुचि जताने वाला दूसरा देश है। मुश्किल से दो हफ्ते पुराने गुट के लिए, यह दिल्ली में किसी भी अनुमान से कहीं तेज खिंचाव है।यह सब अचानक नहीं हुआ। बांग्लादेश में तुर्की की मौजूदगी मक्का समझौते के अस्तित्व में आने से बहुत पहले से बढ़ रही थी। अंकारा अब ढाका को सैन्य उपकरण आपूर्ति करने वाला चौथा सबसे बड़ा देश है। पिछले साल के अंत में, पाकिस्तान की सेना ने बांग्लादेशी कर्मियों को प्रशिक्षण देना शुरू किया– 1971 के बाद पहली ऐसी व्यवस्था, जो उस देश में स्पष्ट महत्व रखती है जिसका स्थापना–युद्ध ही पाकिस्तान के खिलाफ लड़ा गया था। बताया जाता है कि तुर्की की खुफिया एजेंसी ने जमात–ए–इस्लामी के ढाका कार्यालय के नवीनीकरण को वित्तपोषित किया है और इस्लामवादी नेताओं की तुर्की के हथियार सुविधाओं की यात्राओं की व्यवस्था की है। विवरण चाहे जो भी हों, पैटर्न स्पष्ट हैरू अंकारा ने दो वर्षों में ढाका में ऐसे रिश्ते बनाए हैं जिन्हें एक रक्षा समझौता महज औपचारिक रूप दे रहा है।यही कारण है कि भारतीय टिप्पणीकार अब पाकिस्तान को अकेला कारक मानने के बजाय तुर्की को अधिक तत्काल समस्या के रूप में देखने लगे हैं। कुछ विश्लेषकों का यह कहना कि तुर्की दक्षिण एशियाई विमर्श में श्नया ईरानश बनता जा रहा है, यह दर्शाता है कि दिल्ली का रणनीतिक हलका अंकारा के बारे में किस तरह बात कर रहा है– एक स्वतंत्र स्वभाव वाले दूर के नाटो सदस्य के रूप में नहीं, बल्कि भारत के पूर्वी पड़ोस को नया आकार देने वाले सक्रिय खिलाड़ी के रूप में। यह चिंता की एक नई श्रेणी है, जो दशकों से चली आ रही भारत–पाकिस्तान की सोच में ठीक से फिट नहीं बैठती। यह पुरानी झुंझलाहटों से ज़्यादा क्यों चुभता है, इसकी वजह भूगोल है। पाकिस्तान भारत के पश्चिम में है, ऐसी सीमा के पार जिसे भारत ने पचास वर्षों से रोकथाम, कूटनीति और महज जान–पहचान के जरिए संभालना सीखा है।बांग्लादेश भारत के पूर्व में है, भारत के सबसे संवेदनशील हिस्से के चारों ओर लिपटा हुआरू चिकन नेक कॉरिडोर, जो पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ता है, और विद्रोह–प्रवण राज्यों की एक पट्टी जो शांत बने रहने के लिए ढाका के सहयोग पर निर्भर रही है। भारत ने इस मोर्चे के अमित्र हो जाने के लिए गंभीर आकस्मिक योजना नहीं बनाई, क्योंकि शेख हसीना के पंद्रह वर्षों के शासन में उसे इसकी जरूरत नहीं पड़ी। अगस्त 2024 में हसीना की सत्ता से बेदखली ने इस धारणा को रातोंरात खत्म कर दिया। चाहे अंकारा, इस्लामाबाद और ढाका की अंतरिम सरकार विशेष रूप से भारत के खिलाफ समन्वय कर रहे हों या नहीं, व्यावहारिक नतीजा भारत की पूर्वी सीमा पर एक ऐसी सुरक्षा संरचना है जिसे भारत ने न डिजाइन किया, न नियंत्रित करता है, और न ही किसी अलग युग के लिए बने औजारों से आसानी से रोक सकता है। दिल्ली की प्रतिक्रिया अब तक संयमित रही है, और यह संयम जानबूझ कर है, निष्क्रियता नहीं। ज़्यादा शोर मचाना ढाका और अंकारा को एक प्रचार जीत सौंप देगा, और पाकिस्तानी टिप्पणीकारों द्वारा पहले से चलाए जा रहे श्घेराबंदीश के आख्यान को बल देगा। शांत कूटनीति विकल्पों को सुरक्षित रखती हैरू बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ निरंतर जुड़ाव, खाड़ी देशों के साथ मजबूत संबंध– जिनके पास एक मुखर अंकारा के खिलाफ हेजिंग करने के अपने कारण हैं। अति–प्रतिक्रिया न करने का भी एक तर्क है। मक्का समझौते की सारवत्ता उसकी भाषा से कहीं पतली है। नाटो का आर्टिकल 5 इसलिए काम करता है क्योंकि उसके पीछे एकीकृत कमान संरचनाएं, संयुक्त अभ्यास, और सात दशकों का संस्थागत विश्वास है। सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के पास इनमें से कुछ भी नहीं है। उनके पास तीन अलग–अलग खतरे की धारणाएं हैं – रियाद को ईरान की चिंता, इस्लामाबाद भारत पर केंद्रित, अंकारा पूर्वी भूमध्य सागर पर– जो किसी साझा शत्रु से ज़्यादा सुन्नी एकजुटता से एक साथ आए हैं। साझा पहचान पर बने समझौते, साझा खतरे पर बने समझौतों की तुलना में असली संकट की परीक्षा में अक्सर टूट जाते हैं। मिस्र की झिझक खुद इस बात का संकेत है कि क्षेत्रीय खिलाड़ी यहां सिर्फ संभावना नहीं, सीमाएं भी देख रहे हैं। लेकिन भारत यह मानकर योजना नहीं बना सकता कि समझौता कमजोर ही बना रहेगा। उसे इसके लिए योजना बनानी होगी कि अगर बांग्लादेश औपचारिक रूप से शामिल हो जाए, अगर ढाका को तुर्की की हथियार बिक्री और गहरी हो जाए, अगर पाकिस्तानी सैन्य प्रशिक्षक एक बार की पहल के बजाय स्थायी उपस्थिति बन जाएं, तो क्या होगा। इनमें से हर एक अकेले प्रबंधनीय है। लेकिन साथ मिलकर, ये एक ऐसे पूर्वी मोर्चे का वर्णन करते हैं जो चुपचाप एक तय सवाल बनना छोड़ चुका है। बड़ा सबक भारत की अपनी पड़ोस–नीति की सोच के बारे में है।

स्कूलों को कर दीजिए बरबाद फिर सारी समस्या समाप्त

हरिशंकर व्यास

जंतर मंतर पर श्जेन जीय का आंदोलन हुआ और सरकार बैकफुट पर आई तो उसके बाद आरएसएस में भी इसकी चर्चा शुरू हुई कि आखिर ऐसा क्या हुआ है कि नौजवान इतने नाराज हैं। तब संघ के एक पदाधिकारी ने एक ऐसे बौद्धिक से बात की, जो राइटविंग के हैं लेकिन तार्किक विचार रखते हैं और वास्तविक अर्थों में बौद्धिक हैं। उनसे पूछा गया कि आखिर ऐसा क्या हुआ है कि नई पीढ़ी के युवा इतने नाराज हैं और सार्वजनिक रूप से ऐसी ऐसी बातें कह रहे हैं, जिनके बारे में कभी कल्पना नहीं की गई थी। उनका जवाब था, श्आपने कॉलेज बरबाद कर दिए, यूनिवर्सिटीज बरबाद कर दी, तकनीकी संस्थान बरबाद कर दिए, लेकिन स्कूल अभी तक बरबाद नहीं कर पाए हैं। स्कूलों को बरबाद कर दीजिए फिर सारी समस्या समाप्त हो जाएगीय। यह बात उन्होंने तंज के अंदाज में कही। उनका कहना था कि स्कूली शिक्षा का निजीकरण बहुत पहले हो चुका है और अब भी काफी स्कूल हैं, जो बहुत अच्छे हैं। वहां से पढ़ाई करके जो छात्र निकल रहे हैं और कॉलेज पहुंच रहे हैं उनके सामने अचानक शून्य आ जा रहा है। न फैकल्टी अच्छी है, न वाइस चांसलर अच्छे हैं, न रिसर्च की सुविधा अच्छी है, न लाइब्रेरी अच्छी है और किसी तरह से वहां एडजस्ट करें तो परीक्षा की पूरी व्यवस्था प्रदूषित हो गई है। वहां उनके अंदर फ्रस्ट्रेशन बढ़ना शुरू होता है। इसी का प्रकटीकरण जंतर मंतर पर हुआ या सोशल मीडिया में भी श्जेन जीय की नाराजगी के रूप में हो रहा है। इसका उपाय यही है कि स्कूली शिक्षा के स्तर पर ही उनकी पढ़ाई लिखाई खराब कर दी जाए तो वे आगे भी शिकायत नहीं करेंगे। सो प्रधानमंत्री, संघ प्रमुख और केंद्र सरकार के मंत्रियों और राज्यों के नेताओं को पहले तो यह समझना होगा कि छात्र और युवा किस बात से नाराज हैं? वे इस बात से नहीं नाराज हैं कि उनको ठीक तरीके से समझा नहीं जा रहा है। वह समस्या हर पीढ़ी के साथ होती है। वे नाराज इसलिए हैं क्योंकि शिक्षा और परीक्षा दोनों का भट्ठा बैठ गया है। कोई भी परीक्षा बिना त्रुटि के नहीं हो रही है। उनका फ्रस्ट्रेशन इस बात को लेकर है कि नौकिरयों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। वैकेंसी नहीं आ रही है और आ भी रही है तो उसे भरने की प्रक्रिया इतनी लंबी हो जा रही है कि छात्रों की उम्र निकल जा रही है। हर दूसरी या तीसरी परीक्षा के पेपर लीक हो रहे हैं। हर दूसरी या तीसरी परीक्षा में परीक्षा केंद्रों पर सेटिंग हो रही है, ओएमआर शीट में गड़बड़ी हो रही है, उत्तर पुस्तिकों की जांच में धांधली हो रही है और कई जगह तो सीधे नौकरी बेच दी जा रही है। छात्रों की इस बात की नाराजगी है कि न तो शिक्षा का कैलेंडर ठीक से चल रहा है और न परीक्षा का कोई कैलेंडर है। ज्यादातर परीक्षाओं में देरी हो रही है और अभ्यर्थियों की उम्र निकल जा रही है। इस बात को समझने की बजाय हर व्यक्ति उनको ज्ञान देने में लगा है या उनकी भाषा बोल कर उनको खुश करने में लगा है। सिरदर्द के इलाज के लिए सरकार के लोग उंगली पर बैंड एड लगा रहे हैं। मंत्री संसद में खड़े होकर श्फोमोय, श्एमआईएय और श्डेलुलुय जैसे शब्द बोल कर समझ रहे हैं कि इससे नौजवान खुश हो जाएंगे और शिक्षा व परीक्षा की गड़बड़ियों को भूल जाएंगे। संकट शिक्षा और परीक्षा की व्यवस्था में आई गड़बड़ियों का है। इसकी शुरुआत 2014 में उसी दिन हो गई थी, जिस दिन नरेंद्र मोदी की पहली सरकार में स्मृति ईरानी को शिक्षा मंत्री बनाया गया था। सोचें, वे डॉक्टर मुरली मनोहर जोशी की रिप्लेसमेंट थीं! भाजपा की आखिरी सरकार यानी 1999 से 2004 के बीच वाली अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मुरली मनोहर जोशी शिक्षा मंत्री थे। उसके बाद भाजपा को सरकार बनाने का मौका 2014 में मिला तो स्मृति ईरानी को शिक्षा मंत्री बनाया। इससे शिक्षा के प्रति सरकार की गंभीरता, प्रतिबद्धता का पता चलता है। ध्यान रहे 31 दिसंबर 2012 को श्जेन जीय के आखिरी बच्चे का जन्म हुआ था। उसके बाद जन्मे बच्चे श्जेन अल्फाय यानी 2014 में बनीं शिक्षा मंत्री के ऊपर ही श्जेन जीय का भविष्य संवारने की जिम्मेदारी थी। उनके ऊपर यह जवाबदेही थी कि 1997 से 2012 के बीच जन्मे बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा, अच्छे संस्कार, अच्छे प्रशिक्षण और नौकरी व रोजगार की व्यवस्था करें। क्या स्मृति ईरानी इस काम के लिए उपयुक्त थीं? उसी दिन पता चल गया कि इस सरकार को शिक्षा के साथ क्या करना है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की बौद्धिक जमात से नाराज थे। गुजरात में मुख्यमंत्री रहते बौद्धिक जमात ने उनको बहुत निशाना बनाया था। दिल्ली यूनिवर्सिटी से लेकर जेएनयू और देश के दूसरे शिक्षा केंद्रों में बैठे लोग उनके ऊपर हमला थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद उनको इसका बदला लेना था। उन्होंने देश की बौद्धिक जमात को, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को, महाविद्यालयों के प्राचार्यों को, बड़े शैक्षिक संस्थानों को निदेशकों आदि को अपमानित करना था और इसके लिए ही स्मृति ईरानी के शिक्षा मंत्री बनाया गया। उन्होंने यह जिम्मेदारी बखूबी निभाई। हालांकि यह परंपरा वही पर समाप्त नहीं हो गई। स्मृति ईरानी के बाद प्रकाश जावडेकर, रमेश पोखरियाल निशंक और धर्मेंद्र प्रधान को शिक्षा मंत्री बनाया गया। सबने मिल कर देश के नामी विश्वविद्यालयों में ऐसे कुलपति नियुक्त किए, जिनका शिक्षा और गुणवत्ता से कोई लेना देना नहीं रहा। आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे संस्थानों में ऐसे निदेशक नियुक्त किए गए, जिनकी योग्यता श्भाई साहबय लोगों की परिक्रमा से ज्यादा कुछ नहीं थी। रिसर्च संस्थानों में ऐसे लोगों को जिम्मेदारी दी गई जिनका शोध कार्य से दूर दूर तक कोई लेना देना नहीं था। बिल्कुल अलग कसौटियों पर लोगों को नियुक्त किया गया। केंद्र से लेकर राज्यों तक में पाठ्यक्रम तैयार करने और नई किताबें लिखने के लिए जो लोग चुने गए उन्हें इस विधा का कोई अंदाजा नहीं था।

दीवानी अधिवक्ता संघ चुनाव– पहले दिन 57 प्रत्याशियों ने किया नामांकन, 19 का नामांकन बाकी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में दीवानी न्यायालय में आगामी दिनों में होने वाले अधिवक्ता संघ चुनाव के लिए मंगलवार को नामांकन के पहले दिन अध्यक्ष, मंत्री समेत विभिन्न पदों पर कुल 57 अधिवक्ताओं ने नामांकन दाखिल किया। नामांकन को लेकर कचहरी परिसर में दिनभर गहमागहमी रही। नामांकन के बाद प्रत्याशियों ने समर्थक अधिवक्ताओं और मतदाताओं के बीच मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया।इस संबंध में जानकारी लेने पर चुनाव अधिकारियों राजीव कुमार गुप्ता और गौरी शंकर मिश्रा ने बताया कि अधिवक्ता संघ के 15 पदों के लिए कुल 76 अधिवक्ताओं ने नामांकन पत्र लिया था। पहले दिन 57 अधिवक्ताओं ने नामांकन किया, जबकि 19 अधिवक्ताओं का नामांकन अभी शेष है। बुधवार को भी नामांकन की प्रक्रिया जारी रहेगी। पहले दिन अध्यक्ष पद के लिए रमेश चंद्र उपाध्याय, रुद्र प्रकाश यादव, लाल साहब यादव, अवधेश सिंह, अरुण कुमार सिन्हा और जवाहरलाल यादव ने नामांकन किया। उपाध्यक्ष के दो पदों के लिए अजय कुमार श्रीवास्तव, संतोष कुमार सिंह, शरदेंदु चतुर्वेदी, संजय कुमार गुप्ता, बृजमोहन सेठ, राजेश कुमार मौर्य और मोहम्मद शमीम खां ने पर्चा दाखिल किया। मंत्री पद के लिए मनीष सिंह, कृष्ण मोहन यादव, राजेश कुमार यादव, दिनेश कुमार सिंह, समर बहादुर यादव, यशवंत कुमार ओझा, धनंजय कुमार सिंह, सुरेंद्र कुमार प्रजापति और कृष्णकांत तिवारी ने नामांकन किया। इसके अलावा सहमंत्री पद के लिए चार, ऑडिटर पद के लिए दो, उपमंत्री पद के लिए नौ और कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए 20 अधिवक्ताओं ने नामांकन दाखिल किया। नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ कचहरी परिसर में पहुंचे और चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं से संपर्क करते नजर आए। चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी जीत के लिए मतदाता अधिवक्ताओं से विभिन्न वादे कर रहे हैं। बुधवार को शेष प्रत्याशियों के नामांकन के बाद चुनावी तस्वीर और स्पष्ट होने की उम्मीद है।

रक्षाबंधन पर यात्रियों से सम्मानजनक व्यवहार करें चालक-परिचालक - एआरटीओ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए यात्री वाहनों के संचालन को लेकर परिवहन विभाग ने बस ऑपरेटरों, ऑटो–टेंपो स्टैंड संचालकों और वाहन चालकों–परिचालकों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) अजीत सिंह ने बताया कि पर्व के दौरान यात्रियों से सम्मानजनक व्यवहार करने तथा निर्धारित किराए से अधिक वसूली न करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में मंगलवार को उप संभागीय परिवहन कार्यालय, जौनपुर में बैठक आयोजित की गई। इसमें जनपद के बस ऑपरेटरों एवं उनके प्रतिनिधियों के साथ ऑटो–टेंपो स्टैंड संचालक उपस्थित रहे। बैठक में अधिकारियों ने निर्देश दिया कि रक्षाबंधन के दौरान स्टैंड से संचालित होने वाले सभी यात्री वाहनों के चालकों और परिचालकों का चरित्र सत्यापन अनिवार्य रूप से कराया जाए। एआरटीओ ने कहा कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो, इसके लिए वाहन संचालन में विशेष सावधानी बरती जाए। चालकों को ओवरलोड सवारी न बैठाने, तेज गति से वाहन न चलाने और गलत तरीके से ओवरटेकिंग से बचने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा शराब का सेवन कर वाहन चलाने पर पूरी तरह रोक लगाने तथा यात्रियों के साथ शालीन एवं सम्मानजनक व्यवहार करने को कहा गया। ऑपरेटरों और स्टैंड संचालकों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि यात्रियों से निर्धारित किराए से अधिक धनराशि न वसूली जाए। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि रक्षाबंधन पर्व पर यात्रियों की सुविधा और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पीयू में एनसीसी चयन शिविर सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सत्र 2026–27 के लिए एनसीसी प्रवेश हेतु चयन शिविर सम्पन्न हुआ। 98 यूपी बटालियन एनसीसी, जौनपुर के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल आलोक डी. सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में पंजीकृत 142 अभ्यर्थियों में 132 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। चयन प्रक्रिया में दस्तावेज सत्यापन, शारीरिक परीक्षण तथा 50 अंकों की लिखित परीक्षा के माध्यम से अभ्यर्थियों की शारीरिक क्षमता, बौद्धिक दक्षता, अनुशासन एवं नेतृत्व क्षमता का मूल्यांकन किया गया। चयन प्रक्रिया सेना से आए अधिकारियों एवं प्रशिक्षित कार्मिकों के सहयोग से सम्पन्न हुई। विश्वविद्यालय की सहायक कुलसचिव (एनसीसी) श्रीमती सरला देवी एवं एनसीसी अधिकारी डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय ने शिविर का समन्वय किया। डॉ. पाण्डेय ने कहा कि एनसीसी विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने एनसीसी परिसर में आम एवं अमरूद के पौधे लगाए। विश्वविद्यालय के कैडेट्स ने चयन शिविर में सहयोग किया।

जलालपुर पुलिस ने लूट गिरोह का किया पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार,तीन लाख रुपए बरामद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में जलालपुर थाना अंतर्गत पुलिस ने सोशल मीडिया के जरिए लोगों को सस्ते दाम पर सोना उपलब्ध कराने का झांसा देकर लूट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इजरी मोड़ के पास से गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट के तीन लाख रुपये और घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद किया है। आरोपितों ने करीब एक माह पहले लूट के रुपये से फार्च्यूनर गाड़ी खरीदी थी। बुधवार को मामले का खुलासा करते हुए एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि शकरमंडी निवासी आकाश सेठ ने जलालपुर थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि कुछ लोगों ने उनके साथ मारपीट कर तीन लाख रुपये लूट लिए और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। तहरीर के आधार पर पुलिस ने अजय सिंह उर्फ पिंटू समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को कस्टम से चोरी का सोना सस्ते दाम पर बेचने का लालच देते थे। सौदा तय होने के बाद जब संबंधित व्यक्ति पैसे लेकर उनके बताए स्थान पर पहुंचता था तो आरोपित पुलिस का डर दिखाकर उससे रुपये छीन लेते थे और मारपीट कर भगा देते थे। पुलिस के अनुसार गिरोह का मुख्य सदस्य अजय सिंह उर्फ पिंटू निवासी इजरी, थाना जलालपुर है। उसके खिलाफ जौनपुर और वाराणसी समेत कुल 16 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पूछताछ में उसने पहले भी इसी तरह की घटनाओं को अंजाम देने और जेल जाने की बात स्वीकार की है। पुलिस का कहना है कि आरोपित ने इसी आपराधिक गतिविधि से संपत्ति अर्जित की है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से तीन लाख रुपये और घटना में प्रयुक्त फार्च्यूनर वाहन बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक वाहन करीब एक माह पहले लूट के रुपये से खरीदा गया था। अन्य आरोपितों से पूछताछ कर गिरोह से जुड़े लोगों और पूर्व की घटनाओं के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

75 साल की महिला को बिना दोबारा ओपन हार्ट सर्जरी के मिला नया माइट्रल वाल्व, कैथेटर से हुआ इलाज

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मेदांता अस्पताल के डॉक्टरों ने 75 साल की एक महिला के खराब हो चुके माइट्रल वाल्व का इलाज बिना दोबारा ओपन हार्ट सर्जरी के किया। डॉक्टरों ने कैथेटर के जरिए पुराने वाल्व के अंदर ही नया वाल्व लगा दिया। डायबिटीज, छाती में संक्रमण और करीब 15 दिन आईसीयू में रहने के कारण मरीज के लिए दोबारा ओपन हार्ट सर्जरी काफी जोखिम भरी हो सकती थी। डॉ. पीके गोयल, डायरेक्टर, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी, मेदांता अस्पताल ने बताया कि मरीज की करीब 15 साल पहले माइट्रल वाल्व की सर्जरी हुई थी, जिसमें कृत्रिम वाल्व लगाया गया था। समय के साथ यह वाल्व खराब हो गया था और ठीक से काम नहीं कर रहा था। इसकी वजह से मरीज को सांस लेने में परेशानी और दिल पर बढ़ता दबाव जैसी समस्याएं हो रही थीं। उन्होंने बताया कि मरीज की उम्र और स्वास्थ्य की स्थिति को देखते हुए दोबारा ओपन हार्ट सर्जरी करना काफी जोखिम भरा था। इसलिए विशेषज्ञों की टीम ने ट्रांसकैथेटर माइट्रल वाल्व रिप्लेसमेंट यानी टीएमवीआर के जरिए इलाज करने का फैसला किया। इस प्रक्रिया में पुराने वाल्व को निकालने की जरूरत नहीं पड़ती और नया वाल्व उसी के अंदर लगाया जाता है। डॉ. गोयल ने बताया कि करीब 5 मिलीमीटर मोटे पतले कैथेटर को पैर की नस के रास्ते दिल तक पहुंचाया गया। इको और एक्सरे की मदद से नए वाल्व को पुराने वाल्व के अंदर सही जगह पर लगाया गया। करीब 45 मिनट में पूरी प्रक्रिया हो गई और मरीज को थोड़े समय के लिए बेहोशी दी गई। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया के बाद मरीज की हालत में तेजी से सुधार हुआ। फेफड़ों में जमा पानी और दबाव कम हुआ और सांस लेने में भी सुधार आया। जो मरीज वेंटिलेटर की जरूरत के करीब पहुंच चुकी थीं, वह अब खुद आराम से सांस ले रही हैं और उनकी हालत अच्छी है। जल्द ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद है। डॉ. गोयल ने कहा कि ऐसे मरीजों में टीएमवीआर एक महत्वपूर्ण विकल्प हो सकता है, जिनके लिए दोबारा ओपन हार्ट सर्जरी करना ज्यादा जोखिम भरा हो। सही मरीज का चयन और विशेषज्ञों की टीम द्वारा पूरी जांच के बाद इस तरह की प्रक्रिया से बिना छाती खोले खराब माइट्रल वाल्व का इलाज किया जा सकता है।

हत्यारोपी सांसद प्रतिनिधि समेत चार भाइयों को आजीवन कारावास

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम अनिल कुमार यादव की अदालत ने बुधवार को लाइन बाजार थाना क्षेत्र में 22 वर्ष पूर्व हुई हत्या के मामले में चार सगे भाइयों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने सभी दोषियों पर 20–20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अभियोजन के अधिवक्ता संजय श्रीवास्तव के अनुसार लाइन बाजार थाना क्षेत्र के मियांपुर मोहल्ला निवासी पवन मौर्य ने 16 अगस्त 2004 को मुकदमा दर्ज कराया था कि कलेक्ट्रेट में अधिवक्ता रहे रामसेवक मौर्य से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवादित भूमि का कमिश्नर द्वारा मौका–मुआयना किया जाना था। घटना के दिन सुबह करीब 8रू30 बजे रामसेवक मौर्य अपने चारों पुत्रों अश्विनी कुमार मौर्य, आशीष मौर्य, मनोज कुमार मौर्य और पवन मौर्य तथा पड़ोसी राजेश उर्फ छोटू के साथ विवादित भूमि पर बांस–बल्ली गाड़कर कब्जा करने का प्रयास कर रहे थे। वादी के विरोध करने पर विवाद बढ़ गया। इसी दौरान गोली चलने से आशीष मौर्य की मौत हो गई। पुलिस ने मामले की विवेचना के दौरान रामसेवक मौर्य के घर से घटना में प्रयुक्त बंदूक बरामद की थी। विवेचना पूरी करने के बाद पुलिस ने आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। अभियोजन पक्ष की ओर से शासकीय अधिवक्ता संजय कुमार श्रीवास्तव ने गवाहों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों को अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया। पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के बाद अदालत ने जौनपुर के सदर से सपा सांसद बाबू सिंह कुशवाहा के प्रतिनिधि मनोज मौर्य, अधिवक्ता अश्विनी मौर्य तथा उनके भाइयों आशीष मौर्य और पवन मौर्य को दोषी करार देते हुए सभी को आजीवन कारावास और 20–20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

जैन मंदिर में चोरी का 48 घंटे में खुलासा, पूर्व सुरक्षा गार्ड चोरी के शत-प्रतिशत माल के साथ गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। बाजारखाला थाना पुलिस ने ऐशबाग स्थित जैन मंदिर चौत्यालय में हुई चोरी की घटना का 48 घंटे के भीतर सफल अनावरण करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से मंदिर से चोरी की गई भगवान अनन्त नाथ की प्रतिमा, पंचमेरू, सिंहासन एवं छत्र समेत चोरी का शत–प्रतिशत सामान और नकदी बरामद की है। आरोपी पूर्व में इसी मंदिर परिसर में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम कर चुका था और उसे मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था तथा वहां रखी बहुमूल्य धातु की धार्मिक वस्तुओं की जानकारी थी।पुलिस के अनुसार 20ध्21 अगस्त 2026 की मध्य रात्रि को मिल रोड, ऐशबाग स्थित आटा मिल परिसर के जैन मंदिर चौत्यालय में चोरी की घटना हुई थी। चोर मंदिर से भगवान अनन्त नाथ की पीली धातु की एक प्रतिमा, सफेद धातु के पांच पंचमेरू, सफेद धातु के पांच सिंहासन छत्र, सफेद धातु का एक सिंहासन तथा नकदी चोरी कर ले गया था। घटना की सूचना मिलने पर थाना बाजारखाला में मुकदमा अपराध संख्या 163ध2026, धारा 305ध331(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया था।मंदिर जैसे संवेदनशील धार्मिक स्थल में चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए उच्चाधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों ने घटनास्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहनता से अवलोकन किया। इसके साथ ही तकनीकी सूचना, सर्विलांस और मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुए संदिग्धों के बारे में जानकारी जुटाई गई। पुलिस टीम के लगातार प्रयासों और कड़ी मेहनत के बाद घटना का 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया गया।पुलिस ने घटना में शामिल संजय शुक्ला पुत्र लल्लूराम शुक्ला, उम्र करीब 45 वर्ष, निवासी ग्राम जहांसापुर, थाना महोली, जनपद सीतापुर को इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान के सामने स्थित कॉम्प्लेक्स, थाना विभूतिखंड, लखनऊ से गिरफ्तार किया।पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी करीब छह माह पहले आटा मिल, गुलजार नगर में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करता था।

जीडीपी में 40 फीसदी योगदान, वैश्विक व्यापार में हिस्सेदारी केवल 25 प्रतिशत

लखनऊ, (संवाददाता)। तीन दिवसीय 18वें ब्रिक्स एकेडमिक फोरम के दूसरे दिन नीति–निर्माताओं, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों ने ब्रिक्स के 20 वर्षों के सफर की समीक्षा की। दस से अधिक देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में विकासशील देशों के बीच आपसी सहयोग का साक्षी बना लखनऊ विश्वविद्यालय का मालवीय सभागार। इस दौरान ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) के अध्यक्ष समीर सरन ने कहा कि ब्रिक्स देशों का वैश्विक जीडीपी में करीब 40 प्रतिशत योगदान है, लेकिन वैश्विक व्यापार में उनकी हिस्सेदारी केवल 25 प्रतिशत है। यह दर्शाता है कि ब्रिक्स देशों के बीच आपसी व्यापार बढ़ाने की काफी संभावनाएं मौजूद हैं। समीर सरन ने ब्रिक्स के तीसरे दशक के लिए तीन प्राथमिकताएं बताईं। इनमें वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार, तकनीक से समावेशी विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक कार्रवाई शामिल है। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता में ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ), रिसर्च एंड इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर डवलपिंग कंट्रीज (आरआईएस) और लखनऊ विवि ने मिलकर इस फोरम का आयोजन किया। विदेश मंत्रालय के सचिव (ईआर) और भारत के ब्रिक्स शेरपा सुधाकर दलेला ने कहा, ब्रिक्स अकादमिक मंच एक अग्रणी पहल है जिसने ब्रिक्स के भीतर बौद्धिक जुड़ाव और सहयोग को बनाए रखा है। 'ब्रिक्स एट 20' सत्र में ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के उपाध्यक्ष हर्ष वी. पंत ने अगली पीढ़ी की जिम्मेदारी पर जोर दिया। उन्होंने अधिक न्यायपूर्ण, समतामूलक, समृद्ध और स्थिर भविष्य के निर्माण की बात कही। चीन काउंसिल फॉर ब्रिक्स थिंक–टैंक कोऑपरेशन की उप महासचिव जिंग झाओ ने युवा शोधकर्ताओं की जरूरत को बेहद अहम बताया। कहा, उनकी भागीदारी बढ़ानी होगी। उन्होंने अकादमिक आदान–प्रदान और शोध के अवसर बढ़ाने की भी बात कही।

संक्षिप्त खबरें

ठाकुरगंज पुलिस की तत्परता से मूक–बधिर 13 वर्षीय बालक दो घंटे में सकुशल बरामद

लखनऊ, (संवाददाता)। ठाकुरगंज थाना पुलिस की तत्परता और त्वरित कार्रवाई से घर से बिना बताए निकला 13 वर्षीय मूक–बधिर बालक महज दो घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया गया। बालक के सकुशल मिलने के बाद पुलिस ने उसे उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बालक की बरामदगी से परिवार ने राहत की सांस ली और लखनऊ पुलिस का आभार जताया।पुलिस के अनुसार 24 अगस्त 2026 को करीब 11रू30 बजे कमल सिंह पुत्र जगदीश, निवासी प्रेम विहार गऊघाट, थाना ठाकुरगंज, लखनऊ ने पुलिस को सूचना दी कि उनका करीब 13 वर्षीय बेटा, जो मूक–बधिर है, घर से बिना बताए कहीं चला गया है। परिजनों ने आसपास के इलाकों में काफी तलाश की, लेकिन बालक का कोई पता नहीं चल सका।मामले की गंभीरता को देखते हुए सूचना मिलते ही थाना ठाकुरगंज पुलिस सक्रिय हो गई और तत्काल बालक की तलाश एवं सुरागरसी–पतारसी शुरू कर दी गई। पुलिस टीम ने बालक के संबंध में उपलब्ध जानकारी जुटाने के साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने शुरू किए। इसके अलावा अन्य माध्यमों से भी बालक के संभावित रास्तों और ठिकानों के बारे में जानकारी एकत्र की गई।पुलिस की लगातार सक्रियता और त्वरित प्रयासों का परिणाम रहा कि गुमशुदा बालक को करीब दो घंटे के भीतर चारबाग रेलवे स्टेशन के पास, थाना नाका हिंडोला क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया गया।

आरक्षण के विरोध में खड़े छात्रों के साथ प्रेसवार्ता पर भाजपा अपनी स्थिति स्पष्ट करे– राजेन्द्र पाल गौतम

लखनऊ, (संवाददाता)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं पूर्व मंत्री राजेन्द्र पाल गौतम ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा और प्रदेश सरकार पर आरक्षण, शिक्षक भर्ती तथा जातिगत जनगणना के मुद्दे पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने लखनऊ में आरक्षण का विरोध कर रहे कुछ छात्रों के साथ प्रेसवार्ता की थी। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह आरक्षण के विरोध में है।राजेन्द्र पाल गौतम ने कहा कि यदि उपमुख्यमंत्री आरक्षण का विरोध करने वाले छात्रों के साथ प्रेसवार्ता कर रहे हैं और उनके पक्ष में खड़े होने की बात कह रहे हैं तो भाजपा को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि कहीं सरकार की मानसिकता अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग को उनका संवैधानिक अधिकार और न्याय देने की नहीं है और इसी वजह से इस तरह का माहौल बनाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री ने प्रेसवार्ता के दौरान सभी छात्रों और युवाओं को न्याय दिलाने तथा दो दिन के भीतर केंद्रीय मंत्री से मिलने की बात कही थी। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि क्या उपमुख्यमंत्री केंद्रीय मंत्री से मिले और यदि मिले तो दोनों के बीच क्या बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा वास्तव में छात्रों और युवाओं के साथ है तो 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ हुए कथित अन्याय पर सरकार अपना जवाब दे।

कई आईएएस अधिकारियों के तबादले और नई जिम्मेदारियां

लखनऊ, (संवाददाता)।उत्तर प्रदेश शासन ने प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा फेरबदल करते हुए कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के विभागों में बदलाव किया है। शासन की ओर से जारी सूची के अनुसार मंडलायुक्तों, सचिवों, महानिदेशकों तथा विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों में तैनात अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। कई अधिकारियों को उनके वर्तमान पद से अवमुक्त करते हुए अन्य पदों पर तैनाती दी गई है, जबकि कुछ अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।श्रीमती संगीता सिंह, मंडलायुक्त अलीगढ़ को सदस्य (प्रशासनिक), राजस्व परिषद, लखनऊ के पद पर तैनाती दी गई है। वहीं श्री ओम प्रकाश आर्य, मंडलायुक्त मुरादाबाद को सदस्य (न्यायिक), राजस्व परिषद, प्रयागराज के पद पर भेजा गया है।श्री गौरी शंकर प्रियदर्शी को आयुक्त, ग्राम्य विकास एवं सचिव, ग्राम्य विकास विभाग के पद से संबंधित नई जिम्मेदारी दी गई है। श्रीमती चौत्रा वी. को महानिदेशक, आयुष एवं मिशन निदेशक, राष्ट्रीय आयुष मिशन, उत्तर प्रदेश के पद पर तैनात किया गया है।श्री प्रमोद कुमार उपाध्याय को सचिव, समाज कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश शासन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्री रवीन्द्र कुमार को सचिव, नगर विकास विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के साथ प्रबन्ध निदेशक, उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) तथा राज्य मिशन निदेशक, अमृत का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।श्री मासूम अली सरवर को मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उत्तर प्रदेश सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड के पद पर तैनाती दी गई है। वहीं डॉ. राज शेखर को सचिव, नियोजन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन तथा महानिदेशक, अर्थ एवं संख्या, उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी गई है।श्री योगेश कुमार को आयुक्त एवं निबंधक, सहकारिता के पद पर तैनात किया गया है।

नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म के आरोपी को निगोहां पुलिस ने 24 घंटे में गिरफ्तार किया

लखनऊ, (संवाददाता)। निगोहां थाना पुलिस ने नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म के मामले में नामजद आरोपी को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।पुलिस के अनुसार 23 अगस्त 2026 को पीड़िता के पिता ने थाना निगोहां में लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया कि आकाश नामक युवक उनकी नाबालिग पुत्री को बहला–फुसलाकर बाग में ले गया, जहां उसने उसके साथ दुष्कर्म किया। तहरीर के आधार पर थाना निगोहां में मुकदमा अपराध संख्या 116ध2026 दर्ज किया गया। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 65(1) तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 4(2) के तहत कार्रवाई की गई।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में दो पुलिस टीमों का गठन किया। गठित टीमों ने तकनीकी जानकारी, मैनुअल प्रयासों और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से आरोपी की तलाश शुरू की। लगातार प्रयास के बाद पुलिस टीम ने नामजद आरोपी आकाश को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान आकाश पुत्र शिव कुमार, उम्र करीब 19 वर्ष, निवासी ग्राम कर्मलिनखेड़ा मजरा बरबलिया, थाना निगोहां, लखनऊ के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमे में आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

सीवर डालने के नाम सडको पर खुदे गड्ढों मे बारिश की पानी से हो रहे राहगीर घायल

अयोध्या।शहर में सीवर लाइन बिछाने के नाम पर कई मोहल्लों और प्रमुख मार्गों की सड़कें खोदकर छोड़ दिए जाने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।कहीं सड़क निर्माण का काम अधूरा पड़ा है तो कहीं पाइप लाइन डालने के बाद गड्ढों में मिट्टी भरकर खानापूर्ति कर दी गई है।बारिश के बाद यही गड्ढे राहगीरों के लिए हादसे का कारण बन रहे हैं।शहर के अश्वनीपुरम कालोनी सहित देवकाली तिराहा, अमानीगंज कॉलोनी,हैदरगंज, फतेहगंज, ओवरब्रिज से देवकाली तिराहा, शक्तिनगर कॉलोनी,नीलबिहार कॉलोनी, रीडगंज तिराहा समेत कई प्रमुख मार्गों और मोहल्लों में सीवर लाइन के नाम पर सड़क खोदने के बाद उन्हें व्यवस्थित तरीके से दुरुस्त नहीं किया गया है।जगह–जगह सड़कों की पटरी और रास्ते उखड़े पड़े हैं।जिससे पैदल राहगीरों के साथ दोपहिया वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।यहाँ पर स्थानीय लोगों का कहना है कि कई माह पूर्व संबंधित विभाग व कार्यदाई संस्था की ओर से सीवर पाइप लाइन डालने का कार्य शुरू हुआ था।कार्य पूरा किए बिना ही मार्ग को अधूरा छोड़ने से स्थिति और खराब हो गई।बारिश होने पर इन गड्ढों में पानी भर जाता है और राहगीरों के लिए इनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है।सबसे गंभीर स्थिति उन स्थानों पर है जहां अस्पताल, स्कूल, मंदिर और अन्य सार्वजनिक संस्थान हैं।इन मार्गों से रोजाना बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों के अलावा मरीज, तीमारदार, छात्र–छात्राएं और श्रद्धालु गुजरते हैं। ऐसे में सड़क पर बने गड्ढे कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं।स्थानीय लोगों का आरोप है कि सीवर लाइन डालने के बाद संबंधित विभाग के कर्मचारियों ने कई स्थानों पर गड्ढों में केवल मिट्टी डालकर अपना काम पूरा मान लिया।न तो सड़क की गुणवत्ता के साथ मरम्मत कराई गई और न ही आवागमन को सुरक्षित बनाने के पर्याप्त इंतजाम किए गए। बारिश में मिट्टी धंसने से सड़क फिर गड्ढों में तब्दील हो गई है।लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सड़कों की मरम्मत नहीं कराई गई तो आने वाले दिनों में समस्या और गंभीर हो सकती है। स्थानीय नागरिकों ने संबंधित विभाग और नगर निगम के अधिकारियों से सीवर कार्यों की जांच कराकर अधूरी सड़कों को तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की है।

डीएम ने 32 विभूतियों को प्रदान किया राष्ट्र गौरव अवार्ड

बिलासपुर। भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग हिमाचल प्रदेश के तत्वावधान में समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसकेएफआई) का नौवां राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान समारोह बिलासपुर में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उपायुक्त (डीएम) आईएएस राहुल कुमार ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए 32 विभूतियों को 'राष्ट्र गौरव' अवार्ड और नौ अन्य प्रतिभाओं को 'राष्ट्रीय प्रतिभा' सम्मान प्रदान किया। समारोह का शुभारंभ डीएम राहुल कुमार, एसकेएफआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र बच्चन, विशिष्ट अतिथि कर्नल (सेवानिवृत्त) जसवंत सिंह चंदेल और जिला भाषा अधिकारी नीलम चंदेल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत कुमार, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष राम स्वरूप भटनागर और बिहार प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ. विद्या भूषण श्रीवास्तव बतौर अतिथि मौजूद रहे। हिमाचल प्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष ललिता कश्यप और बिलासपुर जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने सभी अतिथियों का हिमाचली टोपी और शॉल पहनाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि डीएम राहुल कुमार ने सभी 41 सम्मानित प्रतिभाओं को बधाई देते हुए कहा कि प्रतिभाओं और समाज के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किए जाने से दूसरे लोगों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सरोकारों से जुड़े ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिला भाषा अधिकारी नीलम चंदेल ने एसकेएफआई के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संगठन द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली प्रतिभाओं को मंच और सम्मान देना सराहनीय पहल है। विशिष्ट अतिथि कर्नल जसवंत सिंह चंदेल ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए भविष्य में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम से पूर्व कई लोगों ने एसकेएफआई की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश अध्यक्ष ललिता कश्यप ने प्रदेश और जिला कार्यकारिणी की घोषणा की। नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संस्था के सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। संगठन ने हिमाचल प्रदेश के अन्य जिलों में भी जल्द इकाइयां गठित करने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन रविन्द्र कुमार शर्मा ने किया। आयोजक एवं प्रदेश अध्यक्ष ललिता कश्यप ने सभी सहयोगियों को धन्यवाद देते हुए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में साहित्यकारों, कवियों और समाजसेवियों ने एसकेएफआई के कार्यों पर अपने विचार रखे। महिला मंडल की सांस्कृतिक प्रस्तुति ने भी उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर शिक्षा, साहित्य, समाजसेवा, कला–संस्कृति, सेना, पुलिस और पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सम्मान समारोह में प्रतिभाओं को मिले सम्मान से पदाधिकारियों और सदस्यों में उत्साह देखने को मिला।

कैंटोनमेंट अयोध्या में भी हर साल की तरह इस साल भी निकला जुलूस ए मोहम्मदी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।इस्लाम व मुस्लिम समाज के आखिरी पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन की मौके पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी छावनी क्षेत्र के सदर बाजार में आज सुबह 7 बजे से जुलूस ए मोहम्मदी का जुलूस निकला। छावनी के पूर्व पार्षद मोहम्मद अपील ब्बलू ने बताया कि जुलूस मस्जिद सदर बाजार के इमाम मौलाना सदरुल वाला के नेतृत्व में निकलकर पूरे क्षेत्र में घूमा और जुलूस प्रत्येक मुस्लिम के घर जा जा कर हजरत मोहम्मद साहब की शान में मिलाद भी पढ़ा गया। जगह जगह जुलूस का मुस्लिम समाज द्वारा स्वागत भी किया गया । जुलूस में कैंट क्षेत्र के मुस्लिम समाज के बूढ़े बच्चे सभी शामिल हुए और अपने नबी की शान में जुलूस निकालकर खुशी का इजहार भी किया।इस मौके में हाकिम खान,मोहम्मद इमरान राईन, नदीम खान, शकील राईन, मोहम्मद अनवार , मोहम्मद सलीम , मोहम्मद अजीज ,मोहम्मद बाबर, शेखू शहाबुद्दीन, शहंशाह मोइनुद्दीन, नसीम खान ,शफीक राईन, आमिल खान , मोहम्मद शारूख, शेखू जौहरी , मोहम्मद जीशान, बिलाल , अयान , अली , चांद मुन्ने,शारिक खान, आमान, हाजी मोहम्मद अहमद , शरीकाह,जन्नत, आयत, जोया,जोहरा, आयशा, शाकिब , मीजान,मोहम्मद जावेद, सुहेल, मुस्तफा ,आदि लोग शामिल रहें।

टोल प्लाजा पर विवाद के बाद हुई फायरिंग मे घायल युवक लखनऊ रेफर

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। जिले के रौनाही थाना क्षेत्र स्थित टोल प्लाजा पर बुधवार की तड़के टोल टैक्स के लेन–देन को लेकर विवाद के बाद फायरिंग का मामला सामने आया।मिली जानकारी के बिना नंबर प्लेट की थार सवार कुछ अज्ञात लोगों पर फायरिंग करने का आरोप है।जिसके चलते गोली लगने से रौनाही गांव निवासी सुफियान गंभीर रूप से घायल हो गया।जिसे आनन फानन मे प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया। कर्मचारियों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोप है कि थार सवार लोगों ने फायरिंग कर दी।इसी दौरान सुफियान को गोली लग गई।गोली हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया।घटना की जानकारी मिलने के बाद रौनाही पुलिस सक्रिय हुई।थाना प्रभारी रौनाही रतन शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और इस मौके पर उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया।बताया कि पुलिस टोल प्लाजा और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।शुरुआती जांच में सामने आया है कि हमलावर थार वाहन से आए थे और वाहन पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।यहाँ लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।फायरिंग के कारणों और हमलावरों की पहचान के लिए जांच की जा रही है।पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।घटना के संबंध में सीओ सदर प्रतीक कुमार से संपर्क करने का प्रयास किया गया,लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ।

मूसलाधार बारिश से लखनऊबेहाल,दिन में छाया अंधेरा दो घंटे की झमाझम बारिश ने थामी राजधानी की रफ्तार

(दीपक श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ लखनऊ)

लखनऊ। राजधानी में बुधवार को मौसम ने अचानक करवट ली। सुबह से रुक–रुककर हो रही बारिश दोपहर बाद मूसलाधार बारिश में बदल गई। करीब दो घंटे तक हुई तेज बारिश से शहर की रफ्तार थम गई।आसमान में छाए घने काले बादलों के चलते दिन में ही अंधेरा छा गया। हालात ऐसे रहे कि सड़कों पर वाहन चालकों को दिन में भी हेडलाइट और वाइपर का सहारा लेना पड़ा।तेज बारिश के बीच सड़कों पर निकले लोग भीगने से बचने के लिए फ्लाईओवर और अन्य सुरक्षित स्थानों के नीचे खड़े नजर आए।वहीं, कई प्रमुख तिराहे–चौराहों और अंडरपास में पानी भर जाने से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। जलभराव के कारण कई स्थानों पर वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई और जाम की स्थिति बन गई।सुबह से ही राजधानी में काले घने बादल छाए हुए थे। करीब 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलती रहीं। हुसैनगंज, चौक, गोमतीनगर, सरोजनीनगर और रहीमाबाद समेत शहर के कई इलाकों में रुक–रुककर बारिश होती रही। बारिश के कारण मौसम सुहाना हुआ, लेकिन जलभराव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। मंगलवार को भी हुई थी।बारिश इससे पहले मंगलवार को भी सुबह से रात तक राजधानी के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई।लगातार बारिश के कारण तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई।मंगलवार को अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 3.3 डिग्री कम रहा।दिनभर आर्द्रता 80 से 94 प्रतिशत के बीच रही।मानसून में अब तक 450.2 मिमी बारिश मानसून सीजन में अब तक लखनऊ में 450.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है।सामान्य तौर पर इस अवधि में 478.1 मिलीमीटर बारिश होनी चाहिए थी। इस तरह मानसून में अब तक सामान्य से करीब छह फीसदी कम बारिश हुई है।वहीं सोमवार को अधिकतम तापमान 33.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.2 डिग्री अधिक था।न्यूनतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 92 और न्यूनतम 72 प्रतिशत दर्ज की गई।देखा जाये तो दो घंटे की तेज बारिश ने राजधानी की जलनिकासी व्यवस्था की भी परीक्षा ले ली। कई प्रमुख मार्गों और अंडरपास में पानी भरने से यातायात प्रभावित हुआ।ऐसे में सवाल उठता है कि यदि कुछ घंटे की तेज बारिश में ही शहर के प्रमुख हिस्सों में जलभराव की स्थिति पैदा हो रही है तो लगातार बारिश होने पर हालात कितने गंभीर हो सकते हैं।

जनसुनवाई में महापौर ने पार्षदों को दिया भरोसा, 29 प्रार्थना पत्रों में 19 का मौके पर ही निस्तारण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। लोधीपुरवा में जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए सड़क का निर्माण कराया जाएगा, जबकि इस्माइलगंज में सुलभ शौचालय का निर्माण होगा। यह भरोसा महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने मंगलवार को नगर निगम अयोध्या धाम के जोनल कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान पार्षदों को दिया। इस दौरान नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार मौजूद रहे। जनसुनवाई संभव में कुल 29 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 19 का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। महापौर ने अधिकारियों को जनशिकायतों का निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही मिलने पर नगर आयुक्त ने संबंधित कर्मचारियों को फटकार लगाई और समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान पार्षद अनूप श्रीवास्तव ने इस्माइलगंज में साहिबगंज–सीताराम स्कूल के सामने वाली गली की मलिन बस्ती में सुलभ शौचालय की आवश्यकता जताई। इस पर महापौर ने स्थल का निरीक्षण कराकर सुलभ शौचालय निर्माण की कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए।पार्षद विश्वजीत ने लोधीपुरवा में जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए सड़क निर्माण की मांग रखी। महापौर ने जल्द सड़क निर्माण कराने का भरोसा दिया। अमानीगंज निवासी महीप रस्तोगी ने दुकान के सामने जबरिया अतिक्रमण कर दुकान लगाए जाने की शिकायत की। महापौर ने मामले की जांच के निर्देश दिए। पार्षद सुनीता गुप्ता ने आदर्श नगर कॉलोनी में सोलर हाईमास्ट एवं स्ट्रीट लाइट लगवाने की मांग रखी। उन्होंने नगर निगम की भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाने का सुझाव भी दिया। इस पर नगर आयुक्त ने जल्द कार्रवाई का भरोसा दिया। भाजपा नेता आलोक द्विवेदी ने अश्विनीपुरम वार्ड के धनीरामपुर में जल निगम द्वारा कराए जा रहे नाली निर्माण में बढ़ती अनियमितताओं की ओर महापौर का ध्यान आकर्षित किया। महापौर ने नगर निगम अधिकारियों को जल निगम से पत्राचार कर आवश्यक कार्रवाई कराने के निर्देश दिए।जनसुनवाई में सड़क, स्ट्रीट लाइट, कर निर्धारण, सफाई, जन्म–मृत्यु प्रमाण पत्र सहित विभिन्न विषयों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से कई का मौके पर ही समाधान कराया गया। पार्षद विनय जायसवाल, रमाशंकर निषाद, महेंद्र शुक्ल और दीप कुमार ने भी अपने–अपने क्षेत्रों की समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया।इस दौरान अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ, सुमित कुमार, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी गजेंद्र कुमार, महाप्रबंधक जलकर सौरभ श्रीवास्तव, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरएम शुक्ल, जोनल अधिकारी ज्वाला प्रसाद, विनय सिंह, सहायक अभियंता निर्माण राजपति यादव, अवर अभियंता प्रकाश जाह्नवी सिंह आदि मौजूद रहे।

तारुन थाने में महिलाओं ने थाना प्रभारी को राखी बांधकर मनाया रक्षाबंधन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। रक्षाबंधन के अवसर पर अयोध्या जिले के तारुन थाने में महिलाओं ने समूह के रूप में पहुंचकर थाना प्रभारी लालचंद सरोज को राखी बांधी और रक्षाबंधन का पर्व मनाया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चियाँ मौजूद रहीं।महिलाओं ने थाना प्रभारी को राखी बांधकर भाई–बहन के पवित्र रिश्ते का संदेश दिया। थाना प्रभारी लालचंद सरोज ने भी सभी महिलाओं और बच्चियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर थाना परिसर में उत्साह और सौहार्द का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाओं एवं बच्चियों की सहभागिता रही।

असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन होने पर सोसाइटी ने किया सम्मानित

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।जिले के रामनगर धौरहरा ग्राम निवासी जयप्रकाश सिंह के सुपुत्र दीपक सिंह द्वारा रेलवे विभाग के केंद्र सरकार द्वारा संचालित गति शक्ति विश्वविद्यालय बड़ोदरा गुजरात में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन होने पर पूरे जिले में बधाई देने के लिए घर पर ताता लगा हुआ है। इसी कड़ी में समर्पण उत्थान सोसायटी अयोध्या को जानकारी होने पर संस्था के अध्यक्ष श्रवण कुमार गुप्ता कोषाध्यक्ष पवन कुमार शर्मा मीडिया प्रभारी प्रमोद शर्मा जी द्वारा घर पहुंच कर अंगवस्त्र भगवान श्री राम की प्रतिमा देकर उज्जवल भविष्य की कामना की। मौके पर उपस्थित सोसायटी के कोषाध्यक्ष पवन कुमार शर्मा ने कहा कि इस नई भूमिका नई चुनौतियां और नई शुरुआत के लिए ढेर शुभकामनाएं ईश्वर से प्रार्थना है कि आप अपनी इस नई पोस्टिंग में भी नए कीर्तिमान स्थापित करें इस मौके पर कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

चंपत राय ने किया रुद्राभिषेक

भदोही, (संवाददाता)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव एवं विहिप के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंपत राय सोमवार को द्वादश ज्योतिर्लिंग रामजानकी मंदिर सुंदरवन पहुंचे। जहां उनका पीठाधीश्वर राजलक्ष्मी मंदा ने स्वागत किया। प्राचीन मंदिरों में दर्शन–पूजन कर देवाधिदेव भगवान श्री महादेव जी का रुद्राभिषेक किया। रुद्राभिषेक के उपरांत उन्होंने परिसर में बन रहे दिव्य मंदिर परिक्षेत्र को भी देखा। पीठाधीश्वर राजलक्ष्मी मंदा ने बताया कि मंदिर परिसर का भ्रमण करने के बाद उन्होंने इसे धार्मिक उत्थान का माध्यम बताया। कहा कि आने वाले पांच सालों में सुंदरवन क्षेत्र एक बड़े धार्मिक परिक्षेत्र के रूप में विकसित होगा। काशी, विंध्य व प्रयाग के मध्य का यह क्षेत्र न सिर्फ श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि बड़ी संख्या में यहां पर्यटक भी आएंगे। राजलक्ष्मी मंदा ने बताया कि चंपत राय जी का कार्यक्रम बेहद निजी था। सावन के आखिरी सोमवार को उन्होंने द्वादश ज्योतिर्लिंग का अभिषेक कर आशीर्वाद लिया। मौके पर टी मदन कुमार, कैलाशपुरी, कौशल किशोर, कमलेश, मनोज कुमार श्रीवास्तव, मनीष पांडेय आदि रहे।

लोक सेवा आयोग के बारे में फर्जी अफवाह फैलाने पर नामजद एफआईआर

प्रयागराज, (संवाददाता)। लोक सेवा आयोग की सोशल मीडिया पर छवि धूमिल करने का मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराई गई है। आरोप है कि एक्स हैंडल पर कूटरचित तरीके से आयोग पर सवर्णों को 50 फीसदी आरक्षण देने का दावा किया गया है। सिविल लाइंस पुलिस तहरीर के आधार पर नामजद मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अनुभाग अधिकारी वकार अहमद अंसारी की तहरीर के अनुसार मुकेश कुमार वर्मा द्वारा अपने एक्स हैंडल पर यह प्रसारित किया जा रहा है कि उप्र लोक सेवा आयोग ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में हलफनामा देकर कबूल किया कि सवर्णों को 50 प्रतिशत आरक्षण दे रहा है, जो कि तथ्यात्मक रूप से गलत है। इस तरह गलत और भ्रामक सूचना सोशल मीडिया द्वारा प्रकाशित कर आयोग की छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे आधारहीन व गलत तथ्यों के प्रकाशित होने से विभिन्न वर्ग के छात्रों एवं जनसामान्य में भ्रम फैलने की संभावना है। आरोप है कि इससे सामाजिक समरसता गंभीर रूप से भंग हो सकती है। आरोप है कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एक संवैधानिक संस्था है तथा उसके संबंध मे तथ्यों को तोड़–मरोड़कर अथवा असत्यापित सूचना को तथ्य के रूप में प्रस्तुत किएं

ज्ञानकोल गांव में पहुंचा प्रशासनिक अमला, ग्रामीणों की ली सुध

गोरखपुर, (संवाददाता)। बाढ़ के पानी से चारों तरफ से घिरे गोला तहसील के बड़हलगंज ब्लॉक के ज्ञानकोल गांव प्रशासनिक अमला अपर जिलाधिकारी वित्त– राजस्व जय प्रकाश के नेतृत्व में नाव से पहुंचा। उनके साथ एसडीएम गोला, तहसीलदार व नायब तहसीलदार के साथ अन्य कर्मचारी थे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से वार्ता कर उनकी समस्याएं जानी तथा उन्हें भरोसा दिया कि उन लोगों को हर तरह से मदद की जाएगी। रविवार को सरयू नदी की बाढ़ से प्रभावित गांवों का हाल जानने के लिए संवाद न्यूज एजेंसी की टीम पानी से चारों तरफ से घिरे ज्ञानकोल गांव नाव से पहुंची। ग्रामीणों से परिचित होने के बाद वहां की समस्याओं को जाना। ग्रामीणों ने बताया कि एक साल के अंदर 12 से अधिक लोगों के आवास नदी की धारा में विलीन हो गए। पुरुष सड़क पर एक स्कूल में रह रहे हैं, लेकिन बहू–बेटियों को यहां नहीं ला सकते हैं। इसके साथ ही तमाम तरह की समस्याएं बताईं। सोमवार को अमर उजाला के अंक में खबर प्रकाशित हुई तो एडीएम एफआर के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ज्ञानकोल गांव पहुंची।

आठ करोड़ का भवन, निर्माण में 21 कमियां, संस्था–विद्यालय के बीच लटकी हैंडओवर प्रकिया

वाराणसी, (संवाददाता)। बाबतपुर से पहले जमालपुर में केंद्रीय विद्यालय बीएलडब्ल्यू के नए भवन का निर्माण कराया जा रहा है। आठ करोड़ रुपये खर्च कर चार एकड़ जमीन में बनाए जा रहे इस विद्यालय भवन में एक दो नहीं 21 गंभीर कमियां हैं। केंद्रीय विद्यालय बीएलडब्ल्यू के प्रभारी प्रधानाचार्य मेवा लाल की ओर से जांच के बाद केंद्रीय विद्यालय संगठन को सौंपी गई रिपोर्ट में यह कमियां और अधूरे कार्य उजागर हुए हैं। प्रधानाचार्य ने कार्यदायी संस्था से विद्यालय को हैंडओवर लेने से साफ मना कर दिया है। प्रधानाचार्य का कहना है कि काम मानकों के अनुरूप पूरा होगा तभी विद्यालय का भवन हैंडओवर लिया जाएगा। इस साल से ही इस विद्यालय में सत्र शुरू होना था जो कि काम में लापरवाही की वजह से नहीं हो पाया। केंद्रीय विद्यालय बीएलडब्ल्यू को जमालपुर में बन रहे परिसर में शिफ्ट किया जाना है। सतोमहुआ में इस भवन और परिसर का निर्माण कार्य साल 2018 में शुरू हुआ। निर्माण की जिम्मेदारी हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड को दी गई है। इसमें दो सेक्शन में कुल 1500 बच्चों के पढ़ने की व्यवस्था होगी। योजना के तहत परिसर में चार एकड़ जमीन में जी प्लस एक के दो विद्यालय भवन, विज्ञान, गणित, कंप्यूटर की लैब, बच्चों के लिए खेल मैदान, पार्किंग, कैंटीन, लाइब्रेरी, पुरुष व महिला शौचालय का निर्माण कराया जाना है। इसके अलावा नौ स्टाफ क्वार्टर भी बनाए जा रहे हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।